पर्यावरण डाइजेस्ट का रजत जयंती वर्ष

डॉ. दिनेश मणि

यह अतीव हर्ष और गौरव का विषय है कि पत्रिका पर्यावरण डाइजेस्ट प्रकाशन के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। समन्वय प्रकाशन, रतलाम (म.प्र.) द्वारा प्रकाशित इस पत्रिका को पर्यावरण विषय की प्रथम राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका होने का गौरव प्राप्त है। इस पत्रिका के संपादक डॉ. खुशालसिंह पुरोहित ने अपूर्व निष्ठा और लगन से इस पत्रिका का अनवरत प्रकाशन किया है।

पर्यावरण डाइजेस्ट को मात्र एक पत्रिका न कहकर यदि हिन्दी भाषी बहुसंख्यक जनता के बीच जनचेतना जाग्रत करने के लिए एक सशक्त और सफल अभियान की संज्ञा दी जाए तो अतिशयोक्ति न होगी। जनवरी1987 से पर्यावरण के विभिन्न घटकों, यथा जल, वायु, मिट्टी आदि के प्रदूषण एवं पर्यावरण संरक्षण से सम्बंधित गंभीर चिंतनपरक आलेखों को प्रकाशित करते हुए पत्रिका ने सचमुच एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

जन सामान्य की भाषा में पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं एवं समसामयिक मुद्दों पर सरल एवं सुबोध शैली में प्रकाशित सारगर्भित आलेख बरबस ही पाठक को पत्रिका पढ़ने को आकृष्ट करते हैं। पर्यावरण के अतिरिक्त कृषि, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सतत एवं स्थाई विकास पर केन्द्रित आलेख भी पत्रिका में समय-समय पर प्रकाशित होते रहते हैं।

पर्यावरण डाइजेस्ट के विभिन्न अंक देश-विदेश में हो रही पर्यावरण सम्बंधी नित नई हलचलों/घटनाओं पर समसामयिक, प्रामाणिक एवं सारगर्भित जानकारी उपलब्ध कराते हैं।

विज्ञान परिषद में उपलब्ध वर्ष 2001 से अब तक के अंकों का अवलोकन करने से यह ज्ञात होता है कि पर्यावरण डाइजेस्ट में विविध विषयों पर विभिन्न लेखकों के महत्त्वपूर्ण आलेख प्रकाशित हुए हैं जिनसे पर्यावरण के क्षेत्र में एक नई दिशा एवं नए बोध की प्रतीति होती है। यहां प्रत्येक लेख का उल्लेख तो संभव भी नहीं है और वांछनीय भी नहीं है। इतना उल्लेख करना आवश्यक है कि पिछले 25 वर्षों में पर्यावरण डाइजेस्ट ने पर्यावरण व समाज के लगभग हर पहलू को स्पर्श किया है और पर्यावरण चेतना के विभिन्न पहलुओं पर विश्लेषण प्रस्तुत किया है। चाहे ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, जैव विविधता, भुखमरी जैसी वैश्विक समस्याएं हों या मालवांचल में क्षिप्रा की नियति जैसी स्थानीय समस्याएं हों, सभी पर्यावरण डाइजेस्ट के पृष्ठों पर स्थान पाती रही हैं। प्लास्टिक, शहरी कचरा, परमाणु बिजली, कीटनाशकों का दुरूपयोग, खेती-बाड़ी के मुद्दे, कहने का आशय है कि हर क्षेत्र पर्यावरण डाइजेस्ट का क्षेत्र है।

इस प्रकार पर्यावरण डाइजेस्ट में समय-समय पर प्रकाशित आलेखों पर दृष्टिपात करने पर यह ज्ञात होता है कि पत्रिका के अनुभवी और कुशल संपादक डॉ. खुशालसिंह पुरोहित ने समसामयिकता को सदैव प्रमुखता देते हुए पर्यावरण से सम्बंधित ज्वलंत विषयों पर सारगर्भित एवं महत्त्वपूर्ण आलेखों को प्रकाशित करके जनसामान्य को प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराने का सराहनीय प्रयास किया है।

ऐसा विश्वास है कि भविष्य में भी पुरोहित जी पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से पत्रिका को उत्तरोत्तर उत्कृष्ट बनाने का अभिनव प्रयास करते रहेंगे। पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं अपनी शुभकामना व्यक्त करता हूं।

(स्रोत फीचर्स)